RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई :गुरुवार 27 अप्रैल 2023 वर्ष 05 अंक 12 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 8 कीमत : 03 रुपये

# दैनिक रोकठोक लेखनी

खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

## मुंबई को फिर दहलाने की खतरनाक साजिश !

### महाराष्ट्र दिवस पर आतंकी हमले की आशंका...

मुंबई : महाराष्ट्र से मिल रही बड़ी खबर के अनुसार, यहां मुम्बई में एक और आतंकी हमले की आशंका है। जी हां, कुछ अन्य मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो आगामी 1 मई को यानी महाराष्ट्र दिवस के मौके पर आतंकी हमले की आशंका है। वहीं मुंबई पुलिस विभाग पूरी तरह से अलर्ट मोड पर आ गया है।

## 144 धारा लागू

सूत्रों के अनुसार महाराष्ट्र दिवस के मौके पर परेड के दरम्यान आतंकी और एंटी सोशल एलिमेंट हमला कर सकते हैं।आतंकी हमले के लिए शिवाजी पार्क के एयर स्पेस का इस्तेमाल भी हो सकता है। खतरे को देखते हुए फिलहाल धारा 144 लागू की गई है। साथ ही दादर ,शिवाजी पार्क माहिम और वर्ली इन चार पुलिस थानों की हद को हल-फिलहाल नो फ्लाईंग जोन घोषित किया गया।इसके अलावा सख्ती बढ़ाते हुए वहां से गुजरने वाले हर सदिंग्ध व्यक्ति की जांच की जा रही है।

ऐसे में अब पहले से ही मुंबई पुलिस द्वारा सुरक्षा का खास इंतजाम किया जाता है। लेकिन गुप्तचर विभाग द्वारा हवाई हमले की साजिश को लेकर दी गई जानकारियां मिलते ही मुंबई पुलिस पहले से कहीं ज्यादा सतर्क और सावधान हो गई है। वहीं किसी भी संभावित गड़बड़ियों से निपटने के लिए पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां पूरी सतर्कता और सावधानी भी बरत रही हैं।

## मुंबई जल्द होगी ड्रग्स फ्री... !

नहीं बख्शे जाएंगे आरोपी,

### अब होगा सख्त एक्शन

**मुंबई :** मुंबई पुलिस ने देश की आर्थिक राजधानी को ड्रग्स फ्री बनाने की मुहिम तेज कर दी है. इसके तहत पुलिस ने एक ही दिन में बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है. इसके तहत 400 रिकार्ड के 440 रिकॉर्ड के आरोपियों की तलाशी ली गई. मुंबई पुलिस के डीसीपी ऑपरेशन विशाल ठाकुर ने मुंबई में के सभी पुलिस अधिकारियों को ड्रग्स से जुड़े आरोपियों की तलाशी से लेकर उन पर कार्रवाई करने को कहा है.

इस पूरी कार्रवाई के तहत पुलिस को आरोपियों के पास से 9409 ग्राम गांजा, 30 ग्राम चरस, 19 ग्राम एमडी, कोडेन फॉस्फेट की 5 बॉटल मिली हैं. डीसीपी ठाकुर ने ने बताया की कि नाबालिग को तंबाकू या उससे संबंधित चीजें देना या पान की दुकान चलाते समय नियमों की अनदेखी करने के मामले में पुलिस ने BMC की मदद से 112 अवैध पान टपरी वालों के खिलाफ कार्रवाई कार्रवाई और उन्हें हटाया गया.

### 27 के खिलाफ NDPS के तहत केस दर्ज

मुंबई पुलिस ने एक दिन में 440 आरोपियों की तलाशी ली. इसमें से 67 आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई. मुंबई पुलिस ने आगे बताया की इनमें से 27 लोगों के पास से पुलिस को ड्रग्स बरामद हुआ. इनके खिलाफ ठऊढर से संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया. एक अधिकारी ने बताया की पुलिस ने इन आरोपियों के पास से अलग अलग प्रकार के ड्रग्स बरामद की हैं.

### मुंबई के डीसीपी ऑपरेशन के हैं आदेश

मुंबई पुलिस के डीसीपी ऑपरेशन विशाल ठाकुर ने बताया की कि मुंबई में ड्रग्स में लिप्त रहने वाले और जिनके खिलाफ ड्रग्स के केस दर्ज है उन पर कार्रवाई करने को कहा गया है. उनकी तलाशी के लिए भी कहा गया है. इसके लिए मुंबई पुलिस कमिश्नर विवेक फनसाकर, स्पेशल कमिश्नर देवेन भारती और जॉइंट कमिश्नर लॉ एंड ऑर्डर सत्यनारायण चौधरी ने इसे लेकर अपने अधीनस्थों को आदेश जारी किए है. ये आदेश मुंबई के 5 एडिशनल कमिश्नर,13 डीसीपी और सभी पुलिस स्टेशनों के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक को दिए गए हैं.

## '...हमारा प्लान B तैयार है'

### पवार के बाद महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष के बयान से बढ़ी हलचल

**महाराष्ट्र :** महाराष्ट्र की राजनीति में इन दिनों महा विकास अघाड़ी के भविष्य को लेकर चचाएं जोरों पर हैं। शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस के नेता जहां एमवीए के बरकरार रहने की बात कह रहे हैं, वहीं, शरद पवार के बयानों को देखें तो कहा जा सकता है कि कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और राष्ट्रवादी कांग्रेस के इस गठबंधन को लेकर अनिश्चितता बरकरार है। इस बीच, महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले ने राज्य में पार्टी के भविष्य को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने बुधवार को कहा कि महाराष्ट्र में भाजपा विरोधी दलों (एमवीए) का गठबंधन भंग होने की स्थिति में कांग्रेस ने अपना प्लान 'बी' बना रखा है। एक टीवी चैनल के साथ इंटरव्यू के दौरान राज्य कांग्रेस प्रमुख ने यह दावा किया।

उन्होंने इस दौरान यह भी कहा कि वे एमवीए के सभी दलों को

एक साथ लाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हम महाविकास अघाड़ी के रूप में एक साथ चुनाव लड़ना चाहते हैं। लेकिन अगर महाविकास अघाड़ी में दरार आती है तो हमने योजना बना रखी है।

### सीएम कैंडिडेट को लेकर चर्चा का ठीक समय नहीं...

साक्षात्कार के दौरान यह पूछे जाने पर कि एमवीए के घटकों में से किस पार्टी को महाराष्ट्र का अगला मुख्यमंत्री बनाने का मौका मिलेगा? इस पर पटोले ने कहा कि सीएम कैंडिडेट को लेकर इस तरह की चर्चा करने के लिए यह सही समय नहीं है। उन्होंने कहा कि इस पहलू पर चर्चा की अभी कोई जरूरत नहीं है क्योंकि अभी कोई चुनाव निर्धारित नहीं है। उन्होंने दावा किया कि लेकिन कांग्रेस लोगों से जुड़े मुद्दों पर हर दिन लड़ रही है।''

## संपादकीय / लेख

# अनाज पे गाज

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

इधर ग्लोबल वार्मिंग से मौसम के मिजाज में खासा बदलाव आया है। कब बारिश हो जाये कहना मुश्किल है। हालांकि, अब मौसम विभाग को उपग्रहों के संबल से मौसम की सटीक भविष्यवाणी करना संभव हुआ है। कुछ दिन पहले बता दिया जाता है कि फलां दिन मौसम खराब होगा या बारिश होगी। लेकिन वे तस्वीरें विचलित करती हैं जब मंडियों व सरकारी गोदामों के बाहर पड़ा गेहूं बारिश में भीगता दिखायी देता है। जाहिर है जिन विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों की जिम्मेदारी अनाज भंडारण व संरक्षण की होती है, वे अपनी जिम्मेदारी का सही ढंग से निर्वाह नहीं करते। वे तस्वीरें परेशान करती रहीं जिनमें किसान मंडियों में खरीद के लिये रखे अनाज को बारिश से बचाने का प्रयास करते नजर आये। दरअसल, खरीद प्रक्रिया की जटिलताओं के चलते भी खरीद में विलंब होने से काफी अनाज मंडियों के परिसरों में पिछले दिनों भीगता नजर आया। खुले में खराब होता अनाज हर किसी संवेदनशील व्यक्ति को परेशान करता है। कैसे किसान अनाज को अपनी खून-पसीने की मेहनत से सींचता है और तंत्र की काहिली से वह अनाज खराब हो जाता है। उसकी गुणवत्ता खराब होने से किसान को अनाज औने-पौने दाम में बेचने के लिये बाध्य होना पड़ता है। यह विडंबना है कि जिस देश में भूख व कुपोषण के आंकड़े शर्मसार करते हों वहां लाखों टन अनाज संवेदनहीन तंत्र की लापरवाही से यूं ही बर्बाद हो जाता है। हमारी अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण घटक खाद्यान्न का यूं खराब हो जाना एक आपराधिक लापरवाही का ही नतीजा है। जाहिर है देश में अवैज्ञानिक तरीके से अनाज भंडारण के चलते ही ऐसी समस्या उपजती है। पिछले दिनों खबर आई कि रोहतक में किसानों को अपना अनाज बचाने के लिये उसका भंडारण श्मशान घाट के शेड में करना पड़ा। गाहे-बगाहे मीडिया में अन्न की बबार्दी की खबरें विचलित करती हैं। वहीं अनाज भंडारण व संरक्षण से जुड़े विभागों के कर्मचारियों द्वारा भी अनाज को नुकसान पहुंचाने की खबरें आई हैं।

एक अनुमान के अनुसार, देश में हर साल बारह से सोलह मिलियन टन अनाज पर्याप्त भंडारण सुविधा के अभाव में बर्बाद हो जाता है। इतना अनाज देश के एक तिहाई गरीबों को खिलाने के लिये पर्याप्त होता। लेकिन दशकों से चले आ रहे संकट के बावजूद वैज्ञानिक रूप से सुदृढ़ भंडारण की दिशा में गंभीर प्रयास होते नजर नहीं आये। इसके लिये जरूरत के मुताबिक निवेश किया ही नहीं गया। होना तो यह चाहिए था कि फसल की कटाई के बाद नुकसान को कम करने के लिये नयी तकनीक के इस्तेमाल को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती। जिससे लाखों टन अनाज को बर्बाद होने से बचाया जा सकता। कोरोना महामारी तथा रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद पूरे विश्व में पैदा हुए खाद्यान्न संकट के मद्देनजर अनाज के महत्व को समझा जाना चाहिए। दरअसल, अनाज के उत्पादन से लेकर उपभोग तक की आपूर्ति शृंखला के प्रत्येक चरण में यह नुकसान होता है। इसके अलावा खाद्यान्न की मात्रा के साथ ही गुणात्मकता के लिये सुरक्षित भंडारण की सुविधा बेहद जरूरी है। एक अध्ययन के मुताबिक अनाज की कटाई, थ्रेसिंग, परिवहन व भंडारण के दौरान भारी मात्रा में अनाज बर्बाद हो जाता है। प्रतिकूल मौसम में आये दिन होने वाली बारिश व ओलावृष्टि से हम अनाज को पूरी तरह से सुरक्षित नहीं कर पाये हैं। वहीं दूसरी ओर हर साल किसान अनाज का रिकॉर्ड उत्पादन कर रहे हैं। आज स्टील का ढांचा बनाकर उसे प्लास्टिक आदि की चादरों से ढककर अनाज भंडारण की अस्थायी व्यवस्था की जाती है, लेकिन छोटे किसान के लिये यह व्यावहारिक नहीं है। हालांकि ग्राम पंचायत स्तर पर प्रौद्योगिकी संचालित सुविधाएं स्थापित करने के सामूहिक प्रयास कारगर हो सकते हैं। आज जरूरत इस बात की है कि ग्रामीण स्तर पर गोदामों के लिये एक राष्ट्रीय ग्रिड बनाया जाये। राष्ट्रीय अनाज बोर्ड की स्थापना इस दिशा में उपयोगी कदम हो सकता है।

editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

# सुप्रीम कोर्ट का फैसला बदलेगा महाराष्ट्र की सियासत !

## खतरे में शिंदे की कुर्सी, जानें क्यों मचा घमासान

**महाराष्ट्र :** महाराष्ट्र की सियासत में घमासान छिड़ा है और सीएम एकनाथ शिंदे की कुर्सी पर खतरा मंडरा रहा है. ऐसा माना जा रहा है कि अगर सीएम शिंदे की कुर्सी जाती है तो अजीत पवार, देवेंद्र फडणवीस, सुप्रिया सुले, जयंत पाटिल और राधाकृष्ण विखे पाटिल में से कोई एक इस कुर्सी पर बैठ सकता है. ऐसे में महाराष्ट्र में एक अनार और पांच बीमार जैसी स्थिति दिख रही है. महाराष्ट्र के सत्ता संघर्ष पर सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ अपना फैसला किसी भी वक्त सुना सकती है.

### क्या एकनाथ शिंदे की होगी छुट्टी ?

एकनाथ शिंदे ने 40 शिवसेना विधायकों के साथ की गई बगावत महाराष्ट्र के राजनीतिक इतिहास में सबसे बड़ी बगावत कही जाती है. शिंदे के इस कदम और हिम्मत ने उन्हें पीएम मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बेहद करीब पहुंचा दिया है. बीजेपी और शिंदे के करीबी सूत्र बताते है शिंदे और अमित शाह के बीच शानदार ट्युनिंग है. ऐसे में शिंदे की छुट्टी होने की खबरें भले की राजनीतिक गलियारों में हो रही हो लेकिन कोर्ट के फैसले के बाद भी शिंदे को विधान परिषद का सदस्य बनाकर सीएम बनाया जा सकता है.

अगर कोर्ट का फैसला सीएम शिंदे के पक्ष में नहीं आया तो उनकी कुर्सी जाना तय है. हालांकि राज्य में कोर्ट के फैसले से पहले नेताओं और उनके समर्थकों की नजर शिंदे की सीएम पद की कुर्सी पर टिक गई है. पिछले कुछ हफ्तों से पांच नेताओं को ही भावी सीएम बताया जा रहा है और इनके पोस्टर भी लगाए जा रहे हैं. पार्टी का नेतृत्व भले की इसे कार्यकताओं की भावना और उत्साह से आगे कुछ और ना मानने की बात कह रहा हो, लेकिन सवाल ये है क्या ये होर्डिंग बिना नेताओं के आशीर्वाद से लग रहे हैं?

### सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर टिकी सभी की नजर

एकनाथ शिंदे और 40 शिवसेना विधायकों की पार्टी से बगावत और बीजेपी के साथ सरकार बनाने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका पर दोनों पक्षों का मत सुनकर फैसला सुरक्षित रख लिया गया है. जानकार मानते हैं कि इस हफ्ते कोर्ट अपना फैसला सुना सकता है. एकनाथ शिंदे समेत 16 विधायकों को विधानसभा के उपाध्यक्ष ने दिए निलंबन के नोटिस को एकनाथ शिंदे ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी.

# पोस्टर लगने से कोई सीएम नहीं बनता

## अजित पवार के मामले पर बोले शिवसेना विधायक

**महाराष्ट्र :** एनसीपी नेता और विधानसभा में नेता विपक्ष अजित पवार के जगह-जगह मुख्यमंत्री वाले पोस्टर लगाए जाने को लेकर शिवसेना विधायक (शिंदे कैम्प) संजय शिरसाट ने कहा कि पोस्टर लगाए जाने से कोई मुख्यमंत्री नहीं बनता है. उन्होंने आगे कहा कि पोस्टर अगर एक या दो बार लगाया जाता तो यह समझा जा सकता है कि किसी कार्यकर्ता ने अपने नेता के सम्मान में पोस्टर लगाया है लेकिन अगर पोस्टर बार-बार लगाया जा रहा है, इसका मतलब साफ है कि अजित पवार यह जांच रहे हैं कि पार्टी में उनके कितने समर्थक हैं.

उन्होंने आगे कहा कि राज्य में सत्ता परिवर्तन का कोई चांस नही है. जहां तक सुप्रीम कोर्ट के फैसले की बात है तो ऐसा लगता है कि हमने जो कुछ भी किया है वह कानून के दायरे में रहकर किया है और इसीलिए हमें पूरा विश्वास है कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला भी हमारे पक्ष में ही आएगा. लोग हवा में बातें कर रहे हैं. ऐसे लोगों की बातों का कोई मतलब नहीं बनता है.

**मुख्यमंत्री के छुट्टी पर जाने वाले सवाल पर**

सीएम की छुट्टी को लेकर हो रही राजनीति पर शिवसेना विधायक ने कहा, ''राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री ढाई साल छुट्टी पर थे.. तब किसी ने उनसे सवाल नहीं किया. एकनाथ शिंदे रात के 2- 3 बजे तक काम करने वाले मुख्यमंत्री हैं. अगर मुख्यमंत्री परिवार के निजी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए 2 दिन की छुट्टी लेते हैं तो इसे लेकर ज्यादा सवाल नहीं खड़ा किया जाना चाहिए. छुट्टी पर रहने के बावजूद भी काम रुका नहीं है.''

# महाराष्ट्र में बिजली गिरने से शख्स की मौत

## 'आसमानी स्ट्राइक' का खौफनाक वायरल वीडियो

**महाराष्ट्र :** महाराष्ट्र के चंद्रपुर में बिजली गिरने से एक भयानक घटना में एक कोयला खदान मजदूर की मौत हो गई. इस पूरे घटना को दूर से ही एक शख्स ने अपने कैमरे में कैद कर लिया. वीडियो में शख्स को खुले इलाके में कहीं जाते हुए देखा जा सकता है. फिर कुछ ही देर के बाद आसमान से बिजली सीधा उस शख्स के ऊपर गिरती है. आकाशीय बिजली की चपेट में आने के बाद पीड़ित जमीन पर गिर जाता है. आकाशीय बिजली गिरने से चपेट में आये शख्स की मौत हो गई है. जिस शख्स की मौत हुई बताया जा रहा है कि वो कोयला खदान में काम करता था.

**बिजली गिरने से पेड़ में लगी आग**

महाराष्ट्र के पालघर में बिजली गिरने से एक ताड़ के पेड़ में आग लग गई. आग लगने की घटना वाडराई इलाके में 6 और 7 मार्च की दरम्यानी रात को हुई थी. आग में खजूर और नारियल के कई पेड़ जलकर खाक हो गए थे. उस दिन मुंबई और आसपास के इलाकों में बिजली की गर्जना के साथ बूंदाबांदी हुई थी. शहर में सुबह से ही बादल छाए हुए थे.

**गढ़चिरौली में बिजली गिरने से तीन की मौत**

महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में बीते दिन (सोमवार) को बिजली गिरने से एक दंपति और उनके दो बच्चों की मौत हो गई थी. जिला आपदा प्रबंधन कार्यालय के एक अधिकारी ने कहा कि पीड़ित मोटरसाइकिल पर यात्रा कर रहे थे,

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई :गुरुवार 27 अप्रैल 2023

# वसई-विरार में जून तक खत्म होगी पानी की समस्या, सूर्या नदी से बिछी पाइप लाइन

**मुंबईः** वसई-विरार और मीरा-भाईंदर की पानी की समस्या को खत्म करने के लिए पालघर में वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट तैयार करने का काम तकरीबन पूरा कर लिया गया है। नागरिकों को शुद्ध पानी उपलब्ध करवाने के लिए इस प्लांट में जल शुद्धिकरण प्रक्रिया के तहत जांच का काम शुरू कर दिया गया है। मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) कमिश्नर एस.वी.आर श्रीनिवास के अनुसार, प्लांट का काम हायर एडवांस स्टेज पर पहुंच गया है। एक से डेढ़ महीने में परियोजना के पहले चरण के तहत वसई-विरार परिसर में पानी की सप्लाई शुरू हो जाएगी। एमएमआरडीए सूर्या नदी का पानी लाने की योजना पर भी काम कर रही है। इसके लिए करीब 88 किमी. लंबी पाइप लाइन बिछाने का काम भी लगभग पूरा हो चुका है।

### परियोजना पर 1329 करोड़ की लागत

सूर्या नदी से पानी लाने के लिए राष्ट्रीय महामार्ग-8 के समीप से 88 किमी. लंबी पाइप लाइन बिछाई गई है। पाइप लाइन जमीन के नीचे और ऊपर से होकर गुजरेगी। उपनगर तक पानी लाने के लिए मेंढवखिंड में 1.7 किमी. की अंडर ग्राउंड टनल भी तैयार की गई है। विघ्नहर्ता टनल बोरिंग मशीन की मदद से 2.85 डायमीटर वाली इस टर्नल को तैयार किया गया है। इस परियोजना का जिम्मा लॉर्सन ऐंड टुब्रो कंपनी को सौंपा गया है। इस परियोजना पर 1 हजार 329 करोड रुपये खर्च होंगे।

### दो फेज में होगी सप्लाई...

सूर्या जलापूर्ति योजना तहत के तहत रोजाना 403 एमएलडी पानी की आपूर्ति की जाएगी। इसमें से 218 एमएलडी पानी मीरा-भाईंदर और 185 एमएलडी पानी वसई-विरार को मिलेगा। वसई-विरार परिसर में पानी की आपूर्ति करने लिए सभी जरूरी इंतजाम भी पूरे कर लिए गए हैं। वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट की जांच का काम पूरा होते ही पहले चरण के तहत जून से वसई और विरार में जलापूर्ति शुरू हो जाएगी। एमएमआरडीए के मुताबिक, इस परियोजना का काम 90 फीसदी से ज्यादा पूरा हो चुका है। पहले फेज में पानी की सप्लाई शुरू होने के दो महीने के भीतर मीरा- भाईंदर में भी पानी की सप्लाई शुरू करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

### बढ़ती आबादी को गंभीर पानी की समस्या

मुंबई में जगह की कमी और आसमान छूती प्रॉपर्टी की कीमतों की वजह से मीरा-भाईंदर और वसई-विरार में तेजी से डिवेलपमेंट हुआ है। इस परिसर में बड़ी संख्या में इमारतों का निर्माण हुआ है। जिस रफ्तार से परिसर की आबादी बढ़ी है, उस तेजी से परिसर में पानी की आपूर्ति करने की कोई व्यवस्था नहीं हो पाई है। इस कारण पिछले कुछ साल से पालघर जिले के वसई-विरार और मीरा-भाईंदर में पानी की कमी की गंभीर समस्या से लोगों को जूझना पड़ रहा है। कई इलाकों में टैंकर से पानी की सप्लाई होती है।

# पत्थर से सिर कुचलकर पत्नी की हत्या, संपत्ति को लेकर चल रहा था विवाद

**नागपुर :** बेलतरोड़ी थानांतर्गत खापरी पुनर्वास परिसर में एक व्यक्ति ने पत्थर से सिर कुचलकर पत्नी को मौत के घाट उतार दिया. बताया जाता है कि दोनों के बीच संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा था. मृतका साकेतनगरी, बेलतरोड़ी निवासी शयजाबाई बाबाराव नागपुरे (53) बताई गई. पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर शयजा के पति बाबाराव माधवराव नागपुरे (56) को गिरफ्तार कर लिया. शयजा उसकी दूसरी पत्नी थी. बाबाराव की पुश्तैनी खेती थी. करीब 1 वर्ष पहले बाबाराव ने वर्धा के गिरड रोड पर उमरी गांव की खेती बेची थी. इससे उन्हें मोटी रकम मिली थी. शयजा ने आधी रकम अपने पास रख ली. कुछ समय बाद शयजा ने साकेतनगरी में स्थित मकान भी अपने नाम पर करवा लिया.

### खापरी पुनर्वास में मिला था प्लॉट

बाबाराव की शिवणगांव में भी खेती थी. यह जमीन मिहान में अधिग्रहित होने के कारण उसे खापरी पुनर्वास में प्लॉट मिला था. शयजा चाहती थी कि यह प्लॉट भी उसके नाम पर हो जाए लेकिन बाबाराव ने इनकार कर दिया. इस वजह से दोनों के विवाद होते थे. करीब 4-5 महीने पहले शयजा ने बाबाराव को घर से निकाल दिया. तब से वह जहां छत मिल जाए रात गुजार लेता था. सब्जी बेचकर अपना उदर निर्वाह कर रहा था. 2 दिन पहले शयजा ने खापरी पुनर्वास के प्लॉट पर झोपड़ा बनाना शुरू किया. साफ-सफाई करवाई और मजदूरों को भी बुला लिया. मंगलवार को बाबाराव को इसकी जानकारी मिली. दोपहर 12.30 बजे के दौरान वह प्लाट पर पहुंचा. शयजा झोपड़ा बनाने के काम में लगी थी. बाबाराव ने सारी संपत्ति हड़पने का आरोप लगाते हुए उसे काम करने से रोका.

### 20 वर्ष दोनों साथ रह रहे थे

दोनों के बीच विवाद हो गया. बाबाराव ने चाकू निकाल लिया. हाथापायी में दोनों को चोट लगी. तभी बाबाराव ने शयजा को धक्का देकर जमीन पर गिरा दिया और बड़ा पत्थर उठाकर सिर पर मार दिया. 2 बार सिर पर पत्थर का वार होने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई. पास रहने वाले लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी. खबर मिलते ही बेलतरोड़ी थाने की इंस्पेक्टर वैजयंती मांडवधरे अपने दल के साथ मौके पर पहुंचीं. बाबाराव घटनास्थल पर ही मौजूद था.

पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया. पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा. शयजा और बाबाराव को बच्चे नहीं थे. उनके पति-पत्नी होने का कोई दस्तावेज पुलिस को नहीं मिला है लेकिन परिचित लोगों के अनुसार दोनों 20 वर्ष से साथ रह रहे थे.

# शरद पवार ने दे दिया राउत को झटका

## कह दी ये बड़ी बात, विपक्षी एकता पर संशय बरकरार

**मुंबई :** महाराष्ट्र में राजनीतिक उठापठक जारी है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी प्रमुख शरद पवार ने एक बार फिर विपक्षी एकता को लेकर शंसय पैदा कर दिया है। भले ही विपक्षी दल उनके साथ होने की राग अलाप रहा हो लेकर शरद पवार हर बार झटका दे रहे हैं। इस बार उन्होंने संजय राउत के उस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए बड़ा झटका दे दिया है। उन्होंने कहा कि सीएम बदलने के बारे में संजय राउत ने जो कुछ भी कहा है वह उनके अपने स्त्रोतों से ही होगा। मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। रही बात अजित पवार के सीएम बनने की तो अजित पवार ने खुद कहा है कि उन्हें भविष्य का सीएम बताने वाला पोस्टर लगाना पागलपन है।

महाराष्ट्र में बारसु रिफाइनरी परियोजना पर राकांपा प्रमुख शरद पवार ने कहा कि किसी भी आगामी परियोजना के बारे में हमारा विचार महत्वपूर्ण नहीं है, लेकिन यह स्थानीय लोगों और इन परियोजनाओं से प्रभावित लोगों की राय है जिसे सुनने की आवश्यकता है। बारसू रिफाइनरी के विरोध पर राकांपा प्रमुख शरद पवार ने कहा कि मैंने उदय सामंत (महाराष्ट्र के उद्योग मंत्री) से पूछा कि बारसू में प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग किया गया या नहीं। उन्होंने मुझे बताया कि सरकार ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ बल प्रयोग नहीं किया। उन्होंने मुझे यह भी बताया कि सरकार वहां केवल मिट्टी परीक्षण कर रही है और भूमि सर्वेक्षण अभी तक शुरू नहीं हुआ है। मैंने उनसे कहा कि सरकार को जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए और स्थानीय लोगों के साथ इस मुद्दे पर भी चर्चा करनी चाहिए।

# धोखाधड़ी के मामले में आरोपी को बेल, बैंक को लगाया था 1.89 करोड़ का चूना

**नागपुर :** फर्जी दस्तावेजों के आधार पर बैंक से 1.89 करोड़ रुपये का लोन लेने के मामले में जेल में बंद आरोपी लोकेश सरपे को अतिरिक्त जिला सत्र न्यायाधीश एसए एसएम अली ने जमानत मंजूर की है. पुलिस ने बैंक ऑफ महाराष्ट्र के मैनेजर साकेत प्रसाद की शिकायत पर एनसीपी कार्यकर्ता गुलाम अशरफी, लोकेश सरपे और इमरान खान के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया था. गुलाम के कहने पर उसके साथी सरपे ने वेकोलि में कार्यरत होने के फर्जी दस्तावेज बैंक में जमा किए.

आयकर भरने सहित अनेक बोगस दस्तावेज

तैयार कर सरपे के नाम पर 89 लाख रुपये का लोन लिया गया. इसी तरह इमरान के नाम पर भी 1 लाख रुपये का लोन लिया गया था. मामला सामने के बाद पुलिस ने गुलाम, इमरान और सरपे को गिरफ्तार किया था. इस मामले में इमरान को पहले ही जमानत मिल चुकी है. सरपे के वकील कमल सतुजा और कैलाश डोडानी ने कोर्ट को बताया कि उसे फर्जी मामले में फंसाया गया है. वह गुलाम का कर्मचारी था. उसे अंधेरे में रखकर बैंक से लोन लिया गया. इस घोटाले का मास्टर माइंड गुलाम है और सारे दस्तावेज उसी ने तैयार किए. लोन की राशि भी उसे ही मिली. सरपे ने जांच में पूरा सहयोग किया है. पुलिस इस मामले में आरोपपत्र भी दायर कर चुकी है. संपत्ति पहले ही बैंक जब्त कर चुकी है. बैंक संपत्ति बेचकर लोन की राशि ले सकती है, इसीलिए उसे जमानत मंजूर की जाए. सरकारी वकील कमलाकर ने जमानत का विरोध किया.

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई :गुरुवार 27 अप्रैल 2023

# राज्य में 800 स्कूल फर्जी...

## पालघर की 143 बोगस स्कूल रडार पर,पढ़े पूरी खबर...

**मुंबईः** महाराष्ट्र में 800 स्कूल फर्जी पाए गए हैं. यानी इन स्कूलों का रजिस्ट्रेशन नहीं हुआ है. ये बिना लाइसेंस के चल रहे हैं. इनमें से 100 स्कूलों पर कार्रवाई करते हुए इन्हें स्थायी तौर पर बंद किया गया है. बाकी 700 स्कूलों पर भी जल्दी ही कार्रवाई होने का खतरा मंडरा रहा है. राज्य के शिक्षा विभाग की जांच में यह जानकारी सामने आई है. फिलहाल महाराष्ट्र का शिक्षा विभाग इस बारे में

विचार कर रहा है कि बाकी के सात सौ स्कूलों के खिलाफ क्या कार्रवाई की जाए.बोगस स्कूलों की सूची में स्टेट एजूकेशन बोर्ड के स्कूलों के अलावा सीबीएसई, आईसीएसई और आईबी के स्कूल भी शामिल हैं.

**जिले में स्कूल**

जिले के आठ तालुकों में कुल 156 फर्जी स्कूल बने हुए हैं, 29 स्थायी रूप से बंद हैं, 30 स्कूलों पर मामला दर्ज किया गया है और 97 अब भी चल रहे हैं।

जिला परिषद स्कूल - 2131

सहायता प्राप्त विद्यालय- 185 -गैर सहायता प्राप्त - 135

आंशिक रूप से अनुदानित- 29

### तीन अहम दस्तावेज होने जरूरी

**स्कूलों की जांच में उनके नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट, स्कूल शुरू रखने के लिए संबंधित विभागों की अनुमति से जुड़े कागजात और सर्टिफिकेट्स, सरकार की ओर से जारी किए जाने वाले प्रमाणपत्र की पड़ताल की गई. शिक्षा आयुक्त ने कहा है कि इन तीनों में से अगर एक सर्टिफिकेट या डॉक्यूमेंट भी अगर गायब पाया गया तो स्कूल की मान्यता रद्द कर दी जाएगी.**

### पालघर जिला बना फर्जी स्कूलों का अड्डा

**पालघर जिले के आठ तालुकों में कुल 143 फर्जी स्कूल हैं, जिनमें से 29 स्कूल स्थायी रूप से बंद हैं, 60 स्कूलों में लेटर ऑफ इंटेंट नहीं है, 30 स्कूलों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है फिर भी अब 97 स्कूल बेधड़क चल रहे हैं। पिछले पांच साल से फर्जी स्कूलों के माध्यम से छात्रों के शैक्षणिक भविष्य से खिलवाड़ करते हुए यह देखा गया है कि इन स्कूलों के खिलाफ शिक्षा विभाग का रुख ऊपर से सख्त लेकिन अंदर से नरम बना हुआ है.**

# मुंबई में वेश्यावृत्ति गिरोह का भंडाफोड़!

## उज्बेक की दो महिलाएं छुड़ाई गईं , चार लोग गिरफ्तार

**मुंबई :** मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने एक वेश्यावृत्ति गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए उज्बेक की दो महिलाओं को उपनगरीय अंधेरी के एक होटल से छुड़ाया और गिरोह में शामिल चार लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने मंगलवार को बताया कि अपराध शाखा के प्रवर्तन प्रकोष्ठ ने खुफिया जानकारी के आधार पर सोमवार शाम अंधेरी पूर्व के एक होटल पर छापा मारा और उज्बेक की दो महिलाओं को बचाया। अधिकारी के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों ने उज्बेक की दोनों महिलाओं को भारतीय नागरिक के तौर पर पेश करने के लिए उनके फर्जी आधार कार्ड बनवाए थे। अधिकारी ने बताया कि आरोपियों ने दोनों महिलाओं के पासपोर्ट भी ले लिए थे और उन्हें लौटाने के लिए दो लाख रुपये की मांग की थी।

# अतीक मुंबई के व्यापारियों को जेल में बुलाकर देता था धमकी

## हवाला के जरिए करता था वसूली... अतीक अहमद के आतंक की कहानी,फिलहाल डरे कारोबारी नहीं आ रहे हैं सामने

**मुंबई :** देश की मायानगरी और आर्थिक राजधानी मुंबई में यों तो हाजी मस्तान से लेकर करीम लाला और दाऊद माफिया से लेकर छोटा राजन, अरुण गवली, छोटा शकील जैसे कई माफिया डॉन रहे। इन लोगों ने बॉलिवुड से लेकर मुंबई के बिल्डरों तक सबसे खूब उगाही की। अब पता चला है कि मुंबई में उगाही करने वालों में यूपी का माफिया डॉन अतीक अहमद भी शामिल था। अतीक को पिछले पखवाड़े यूपी में उसके भाई अशरफ के साथ पुलिस हिरासत में गोलियों से भून दिया गया था। यूपी पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अतीक अहमद जब यूपी में नैनी जेल और गुजरात में साबरमती जेल में बंद था, तो उसने मुंबई में कई बिल्डरों और उन लोगों को धमकी भरे फोन किए, जिनकी प्रॉपर्टी किसी न किसी विवाद में थी। इन लोगों को अतीक ने बाकायदा जेल भी उससे मिलने के लिए बुलाया।

**इस तरह देता था धमकी**

जेल मुलाकात में भी कारोबारियों को धमकी दी गईं। कहा कि फलां, फलां प्रॉपर्टी हमारे नाम सौंप दो या

सस्ते रेट में उसके लोगों को बेच दो अन्यथा हमारे लोग तुम्हें कभी छोड़ेंगे नहीं। यूपी पुलिस के इस अधिकारी के अनुसार, लोग डर जाते थे और फिर जैसा कि उसका निर्देश होता था, हवाला के जरिए उसके लोगों तक रकम पहुंचा दी जाती थी। जिस-जिस को भी अतीत ने मुंबई में फोन किए, यूपी पुलिस के अनुसार, किसी ने भी उसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराने की भी हिम्मत नहीं की।

**मुंबई में ऐसे कारोबारियों को चुनता था अतीक**

अंडरवर्ल्ड के खिलाफ लंबे समय तक काम कर चुके मुंबई पुलिस के एक अधिकारी के अनुसार, चूंकि मुंबई में अंडरवर्ल्ड का ही खौफ रहा है, इसलिए मुंबई के ज्यादातर लोग अतीक को जानते तक नहीं। मुंबई पुलिस के इस अधिकारी का कहना है कि अतीक ने उन लोगों को धमकियां दीं, जो रहते तो मुंबई में थे, लेकिन जिनकी प्रॉपर्टी यूपी में है। वह यूपी की इन्हीं प्रॉपर्टीज के लिए यूपी के मुंबई में रहने वालों को अलग-अलग जेलों से फोन करता था।

# स्कूल जाने के लिए निकले चार बच्चे लापता

**ठाणे।** ठाणे जिले में घर से स्कूल जाने के लिए निकले चार बच्चे लापता हो गए। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। शिवाजी नगर पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना सोमवार को अंबरनाथ शहर में हुई जिसके बाद पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (भादंसं) की धारा 363 (अपहरण) के तहत मामला दर्ज किया। अधिकारी ने बताया कि 14-15 साल के ये बच्चे सुबह करीब सात बजे ही घर से निकले लेकिन वापस नहीं लौटे। पुलिस के अनुसार चारों अंबरनाथ के अलग-अलग इलाकों के रहने वाले हैं और वे एक ही स्कूल में पढ़ते हैं। उन्होंने ने बताया कि बच्चों के अभिभावकों ने उन्हें अंबरनाथ और आस-पास के इलाकों में ढूंढा लेकिन वे नहीं मिले। अधिकारी के मुताबिक, एक बच्चे के शिक्षक ने माता-पिता को फोन कर बताया कि उनका बच्चा स्कूल नहीं आया है और जब उसके माता-पिता पता करने स्कूल पहुंचे तो उन्हें पता चला कि तीन अन्य बच्चे भी स्कूल नहीं आए हैं।

# मुंबई एयरपोर्ट पर गोल्ड तस्करी रैकेट का भंडाफोड़, करोड़ों का सोना जब्त,18 सूडानी नागरिक गिरफ्तार

**मुंबई :** मुंबई एयरपोर्ट पर एक बार फिर राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने सोने की तस्करी के रैकेट का भंडाफोड़ किया। शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के एक अधिकारी ने मंगलवार को दी कि 18 सूडानी महिलाओं के साथ एक भारतीय महिला को छत्रपति शिवाजी अस्पताल में 10.16 करोड़ रुपये मूल्य की 16.36 किलोग्राम पीली धातु के साथ गिरफ्तार किया है।

अधिकारी ने कहा कि विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर पता

चला कि सोमवार को संयुक्त अरब अमीरात से मुंबई आने वाले यात्रियों के बीच पेस्ट के रूप में सोने की भारत में तस्करी की जा रही है। इसके बाद डीआरआई के अधिकारियों ने शहर के हवाई अड्डे पर निगरानी रखी।

उन्होंने कहा कि जिन यात्रियों पर तीन उड़ानों में यात्रा करने वाले सिंडिकेट का हिस्सा होने का संदेह था, उनकी पहचान की गई और हवाईअड्डे पर डीआरआई की एक टीम ने उन्हें रोका। अधिकारी ने कहा कि उनकी तलाशी के दौरान, डीआरआई ने पेस्ट के रूप में 16.36 किलोग्राम सोना, कटे हुए सोने के टुकड़े और आभूषण बरामद किए, जिनकी कुल कीमत 10.16 करोड़ रुपये है।

उन्होंने कहा कि तस्करी का सोना ले जा रही सूडान की 18 महिलाओं और यात्रियों की आवाजाही का समन्वय करने वाली एक भारतीय महिला को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारी ने कहा कि बरामद सोने का अधिकांश हिस्सा संदिग्ध यात्रियों के शरीर पर छिपा हुआ पाया गया, जिससे कीमती धातु का पता लगाना बेहद मुश्किल हो गया।

# 40 की उम्र के बाद अधिक रहता है काला मोतियाबिंद का खतरा

बिगड़ती जीवनशैली के चलते लोगों का रोगों की चपेट में आना आम बात हो गई है। इसी की तर्ज पर हाल ही में नेत्र रोग को लेकर एम्स के डॉक्टरों ने एक बड़ा खुलासा किया है।एम्स के डॉक्टरों का कहना है कि काला मोतियाबिंद एक ऐसा रोग है जिसे साइलेंट किलर भी कहा जाता है। यह रोग 40 साल की उम्र के बाद हर 20 में से एक व्यक्ति को होने की संभावना रहती है। एम्स स्थित डॉ राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र के प्रमुख प्रोफेसर अतुल कुमार का कहना है कि काला मोतियाबिंद रोग होने का खतरा उन लोगों को अधिक रहता है, जिनके परिवार में यह बीमारी किसी को हो चुकी हो। यानि कि इस रोग आनुवंशिक रोग भी कह सकते हैं।

अन्य प्रोफेसर डॉ. रमनजीत सिहोता का कहना है कि अक्सर लोग ऐसी गलत धारण पाल कर रखते हैं कि काला मोतियाबिंद होने पर उनकी आंखों की रोशनी चली जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं है। अगर आप समय पर इस बीमारी के

लिए गंभीर हो जाएं और इलाज कराएं तो रोग से पूरी तरह छुटकारा पाया जा सकता है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि जो लोग इलाज में लापरवाही बरतते हैं उनकी आंखों की रोशनी जाने के 90 प्रतिशत चांस रहते हैं। इस बीमारी में एक बार आंख की रोशनी चली जाने के बाद उसे वापस नहीं लाया जा सकता है।

**क्या है काला मोतियाबिंद**

काला मोतिया ऐसी बीमारी है जो आंखों में दबाव बढ़ने से जुड़ी हुई है। हमारी आंखों में एक तरल पदार्थ भरा होता है जिससे आंखों का आकार बनाए रखने में मदद मिलती है और लैंस तथा कार्निया को पोषण मिलता है। ऐसे में मरीज की आंखों से तरल पदार्थ ठीक से बाहर नहीं निकल पाता। इससे आंख के अंदर दबाव बढ़ जाता है और रक्त वाहिकाएं ऑप्टिक नर्व की ओर बढ़ जाती हैं। नर्व कोशिकाएं धीरे-धीरे मरती जाती हैं और इसके साथ-साथ दृष्टिहीनता भी बढ़ती जाती है। जिसे ठीक किया जाना संभव नहीं होता। आमतौर पर काला मोतिया का पता तब तक नहीं चलता जब तक मरीज दृष्टिहीन नहीं हो जाता।

**लक्षण**

आंखों के सामने छोटे-छोटे बिंदु और रंगीन धब्बे दिखाई देना।

आंखों के आगे इंद्रधनुष जैसी रंगीन रोशनी का घेरा दिखाई देना।

चक्कर आना और मितली आना।

आंखों में तेज दर्द होना।

साइड विजन को नुकसान होना और बाकी विजन नॉर्मल बनी रहती हैं।

# गोरा बच्चा देने वाला केसर, पेट में ही ले सकता है उसकी जान, जानिए किस महीने से खाना चाहिए

भारत में ऐसी कई मान्यताएं और प्रथाएं प्रचलित हैं जिनका कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है। इन्हीं में से एक है कि प्रेग्नेंसी में केसर खाने से गोरा और सुंदर बच्चा पैदा होता है। माना जाता है कि गर्भावस्था में केसर बहुत फायदेमंद होता है और इसमें कुछ औषधीय गुण होते हैं जो प्रेग्नेंसी के लक्षणों से लड़ने में मदद करते हैं।

केसर चिंता, तनाव, और पेट दर्द से भी आराम दिलाता है और अपने गुणों के कारण गर्भवती महिलाओं के लिए लाभकारी माना जाता है। हालांकि, अगर केसर को मॉडरेशन में ना खाया जाए, तो इसके कुछ नुकसान भी हो सकते हैं जिनके बारे में आगे बताया गया है।

केसर में अनेक औषधीय गुण होते हैं और इस वजह से गर्भवती महिला के लिए यह फायदेमंद माना जाता है। यह स्ट्रेस, दर्द और ऐंठन, मूड स्विंग्स और गर्भावस्था में होने वाली दिक्कतों से आराम दिलाता है।

हालांकि, केसर के अधिक मात्रा में सेवन करने से कुछ दुष्प्रभाव भी हो सकते हैं। यह कॉन्ट्रैक्शन और प्रीमैच्योर डिलीवरी को ट्रिगर कर सकता है।

चूंकि, केसर नुकसान भी पहुंचा सकता है इसलिए केसर को प्रेग्नेंसी डाइट में शामिल करने से पहले कुछ बातों का ध्यान रखना, जैसे कि :

प्रेग्नेंसी के पांचवे महीने के शुरू होने पर ही केसर लेना शरू करना चाहिए क्योंकि इस समय तक गर्भ ठहर चुका होता है और गर्भपात का खतरा ना के बराबर रहता है।

किसी भी व्यंजन में गर्भवती महिला के लिए सिर्फ दो या तीन स्ट्रैंड ही डालें क्योंकि ज्यादा केसर हानिकारक हो सकता है। हमेशा अच्छी क्वालिटी का ही केसर खरीदें और आर्टिफिशिय कलर वाला या अशुद्ध केसर खरीदने से बचें। हर चीज के फायदे और नुकसान दोनों होते हैं और केसर के साथ भी कुछ ऐसा ही है। केसर की अधिक खुराक गर्भवती महिला को नुकसान पहुंचा सकती है क्योंकि इससे गर्भाशय में संकुचन पैदा हो सकता है। इसके अन्य दुष्प्रभाव हैं :

केसर शरीर के तापमान और हीट को बढ़ा देता है जिससे गर्भाशय में संकुचन पैदा होता है। इसकी वजह से प्रेग्नेंसी के शुरुआती हफ्तों में मिसकैरेज हो सकता है। केसर हमेशा प्रेग्नेंसी की दूसरी तिमाही से खाना शुरू करें।

कुछ गर्भवती महिलाओं को केसर खाने पर चिंता, मुंह में सूखापन, मतली और सिरदर्द हो सकता है। ऐसी कोई समस्या दिखने पर तुरंत केसर का सेवन बंद कर दें। केसर कुछ महिलाओं में उल्टी का कारण भी बन सकता है। इसकी वजह से मां को थकान होने के साथ बच्चे में भी जरूरी पोषण की कमी हो सकती है।

ज्यादा केसर लेने पर गर्भाशय उत्तेजित होता है और पेट में बार-बार संकुचन महसूस होने लगता है। इससे प्रीमैच्योर लेबर हो सकता है।

शामक प्रभाव के कारण केसर की अधिक खुराक लेने पर चक्कर महसूस हो सकते हैं। प्रेग्नेंसी के स्टेज के अनुसार अगर आपको कोई एलर्जी हो रही है तो केसर खाने की वजह से आपको नाक से खून आने की शिकायत भी हो सकती है।

इसके अलावा हाथ-पैरों का सुन्न होना, पीलिया, दस्त और पेशाब या मल में खून आने का खतरा भी रहता है।

# वजन घटाने से लेकर इम्यूनिटी बढ़ाने तक, हलीम बीज के फायदे हैं अनेक

आमतौर पर बहुत से लोग सुपरफूड खाना पसंद करते हैं। चिया, लौकी और असली के बीज सहित कई ऐसे सीड्स हैं, जो सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। फिट रहने और बीमारियों से सुरक्षा के लिए दुनिया भर में लोग बड़े पैमाने पर सुपरफूड का सेवन करते हैं।

हलीम बीज ऐसा ही एक बीज है, जो संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है। इसे गार्डन क्रेस सीड या हलीवा सीड भी कहा जाता है। यह छोटा लाल बीज फोलेट, आयरन, फाइबर,विटामिन सी, ए, ई और प्रोटीन जैसे पोषक तत्वों का पावरहाउस कहा जाता है। आइए जानते हैं सेहत के लिए हलीम बीज के फायदे।

संपूर्ण स्वास्थ्य और गर्भधारण के लिए स्वस्थ मासिक धर्म बहुत महत्वपूर्ण है। हलीम बीज में फाइटोकेमिकल मौजूद होते हैं। रोजाना हलीम के बीज का सेवन करने से हार्मोन नियंत्रित रहते हैं और अनियमित मासिक धर्म की समस्या दूर हो जाती है।

हलीम बीज गैलेक्टैगॉग गुणों से भरपूर होता है। इसमें आयरन और प्रोटीन भी प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए यह सुपरफूड बहुत फायदेमंद है। गैलेक्टैगॉग खाद्य पदार्थों का इस्तेमाल स्तन के दूध को बढ़ाने के लिए किया जाता है। इसे बादाम और गोंद के लड्डू में मिलाकर भी खाया जा सकता है।

हलीम बीज में भरपूर मात्रा में आयरन पाया जाता है। यह लाल रक्त कोशिकाओं की वृद्धि को बढ़ाता है और हीमोग्लोबिन के स्तर को सुधारता है। इसके अलावा हलीम बीज में विटामिन सी भी मौजूद होता है। एक चम्मच हलीम बीज में १२ मिलीग्राम आयरन पाया जाता है। इसका सेवन करने से शरीर में खून की कमी नहीं होती है।

# आदित्य ठाकरे ने मुंबई की सड़कों को पक्का किए जाने के कार्य में अनियमितताओं का आरोप लगाया

**मुंबई :** शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे ने मंगलवार को मुंबई में 6,080 करोड़ रुपये की लागत वाली सड़क निर्माण परियोजनाओं में 'घोर अनियमितता' पर चिंता जताई और आरोप लगाया कि बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने उनके द्वारा मुद्दा उठाए जाने के बाद 'बिल्कुल चुप्पी' साध ली। ठाकरे ने बीएमसी आयुक्त इकबाल सिंह चहल को दो पन्नों का एक पत्र भेजा, जिसमें 10 सवाल पूछे गए हैं। उन्होंने इन सवालों को महानगर में 400 किलोमीटर सड़कों को पक्का बनाए जाने के संबंध में मुंबईवासियों के लिए महत्वपूर्ण बताया और चहल से जवाब देने का आग्रह किया।

मानसून के महीनों के दौरान गड्ढों की शिकायतों का सामना करते हुए, बीएमसी ने पिछले साल शहर भर में कई सड़कों को पक्का करने का फैसला किया था। ठाकरे ने इन कार्यों में अनियमितताओं का आरोप लगाया है। ठाकरे ने पूछा कि क्या कार्य आदेश 'प्रतिस्पर्धी बोली मूल्य (अनुमानित मूल्य से औसतन आठ प्रतिशत ऊपर) या बराबर' दरों पर जारी किए गए हैं और क्या बोली प्रक्रिया का पालन किया गया है।

# शेयर ब्रोकर ने पहले 11 साल की बेटी गला घोंटा...

## फिर खुद लगाई फांसी... सुसाइड नोट में पत्नी को ठहराया दोषी

**मुंबई :** देश की आर्थिक राजधानी मुंबई से एक बड़ी खबर सामने आई है जहां एक शेयर ब्रोकर ने फांसी लगाकर जान दे दी है. वहीं खुद को फांसी लगाने से पहले शेयर ब्रोकर ने अपनी 11 साल की बेटी की भी रस्सी से गला घोंटकर हत्या कर दी है. मामला सेंट्रल मुंबई का बताया गया है. इस बाबत मुंबई पुलिस ने जानकारी दी है. अधिकारी के मुताबकि पुलिस अभी तक हत्या और आत्महत्या के पीछे की वजह का पता नहीं लगा पाई है. उन्होंने बताया कि पुलिस ने एक सुसाइड नोट बरामद किया है जिसमें मृतक भूपेश पवार ने अपनी पत्नी को दोषी ठहराया है.

अधिकारी के मुताबिक, भूपेश पवार ने मंगलवार दोपहर लालबाग की गणेश गली में स्थित अपने घर में पहले अपनी बेटी आर्या की रस्सी से गला घोंटकर हत्या की और बाद में उसी रस्सी से खुद फांसी लगा ली. अधिकारी ने बताया कि घटना के वक्त भूपेश पवार की पत्नी किसी काम से बाहर गई थी. शाम करीब 4 बजे घर लौटने के बाद उसे पति और बेटी के शव मिले.

# उत्तर कोरिया को सिगरेट बेची तो भड़का अमेरिका, कंपनी पर लगाया 52 हजार करोड़ का जुमार्ना

**अमेरिका :** अमेरिका और उत्तर कोरिया की दुश्मनी की बहुत-सी खबरें आपने पढ़ी होंगी. ये दोनों देश एक-दूजे को बिल्कुल नहीं सुहाते. यहां तक कि यदि उनके मित्र देशों में उनकी मर्जी के खिलाफ कोई काम हो जाए तो भी इन्हें बुरा लगता है. अब अमेरिका ने अपने मित्रराष्ट्र ब्रिटेन की एक कंपनी पर इसलिए हजारों करोड़ का जुर्माना ठोक दिया है क्योंकि उसने उत्तर कोरिया को सिगरेट बेची थीं.

अमेरिका ने दुनिया की सबसे बड़ी टोबैको कंपनियों में शामिल ब्रिटिश-अमेरिकन टोबैको कंपनी (इअळ) पर 52 हजार करोड़ रुपये का जुमार्ना लगाया है. अमेरिका ने ये कार्रवाई तब की है, जबकि इअळ के एक सहायक ने तानाशाह किम के देश को सिगरेट बेचने की बात स्वीकार की. खुलासे के मुताबिक, उनकी डील 2007 से 2017 के बीच की गई थी.

# पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर लेखिका ने लगाया रेप का आरोप, उनके वकील ने ऐसे दिया जवाब

**अमेरिका :** अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप फिर मुसीबत में फंसते जा रहे हैं. उन पर पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल से रिलेशन रखने व उसे पैसे देने के आरोपों में केस चल ही रहा है, वहीं अब एक लेखिका ने बलात्कार के आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ केस कर दिया है. आरोपों का ट्रंप ने अपने वकील के जरिए जवाब दिया है.

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिकन जर्नलिस्ट व राइटर (स्तंभकार) एलिजाबेथ जीन कैरोल (ए खींल्ल उं१३ङ'') की ओर से ट्रंप के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया गया था. इसके अलावा उन्होंने शिकायत दर्ज कराई कि डोनाल्ड ट्रंप ने चेंजिंग रूम में उनका यौन शोषण किया था. जीन कैरोल ने अपनी बुक में भी ट्रंप का उल्लेख किया. बुक में लिखा कि ट्रंप ने 1995 या 1996 में मैनहट्टन लक्जरी डिपार्टमेंटल स्टोर के ड्रेसिंग रूम में उन्हें पकड़ लिया और जोर-जबरदस्ती करने लगे. ट्रंप के किए कुकृत्य से उन्हें बहुत दर्द और पीड़ा हुई. उसके बाद वह मानसिक रूप से भी परेशान रही. ट्रंप के खिलाफ अब दंडात्मक कार्रवाई की जानी चाहिए.

**रेप के आरोप पर ट्रंप बोले- वो मेरे टाइप की नहीं थी**

जीन कैरोल के गंभीर आरोपों पर ट्रंप की ओर से भी जवाब दिया जा रहा है. ट्रंप ने पहले जीन कैरोल के बारे में कहा, 'वो मेरे टाइप की नहीं थी' उसके अलावा ट्रंप ने एक बयान में कहा- ''कैरोल ने पूरी तरह से एक कहानी गढ़ी कि मैं उससे भीड़भाड़ वाले न्यूयॉर्क सिटी के डिपार्टमेंट स्टोर के दरवाजे पर मिला. और, कुछ ही मिनटों में उसे बेहोश कर दिया. यह महज छलावा और झूठ है, ठीक वैसे ही जैसे पिछले सात सालों में मेरे खिलाफ और मनगढंत आरोप लगाए गए हैं.'' ट्रंप के इस बयान के कई माह बाद यह मामला अदालत पहुंचा, जहां अब ट्रंप के वकील ने आरोप लगाने वाली जीन कैरोल पर तीखी टिप्पणी की हैं.

**वकील ने कहा- पैसा और शोहरत चाहिए...**

ट्रंप के वकील ने अदालत की बहुप्रतीक्षित कार्यवाही की शुरूआत में तर्क दिया है कि जीन कैरोल यह सब अधिक 'पैसा और शोहरत' पाने के लिए कर रही हैं. वहीं, कानून के कई जानकारों का कहना है ट्रंप के खिलाफ मुकदमे की प्रकृति आपराधिक नहीं है, लेकिन यह मामला ऐसे समय में आया है जब डोनाल्ड ट्रंप को कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जो 2024 में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में हिस्सा लेने के उनके इरादों पर पानी फेर सकता है.

# धरती के नीचे मौजूद है 24 आखों वाली ये भयानक मछली, वैज्ञानकि भी देखकर हैं हैरान

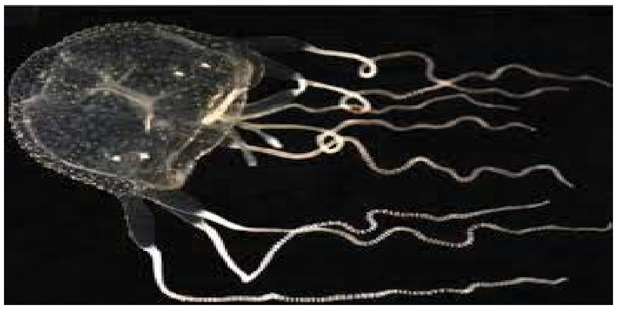

**हांगकांग :** हांगकांग बैप्टिस्ट यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने जेलीफिश प्रजाति की एक ऐसी मछली की खोज की है, जो न सर्फि देखने में अनोखी बल्कि बेहद खतरनाक भी है। इस मछली ने वैज्ञानिकों को भी हैरत में डाल दिया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह मछली एक बेहद जहरीले जेलीफिश की नई प्रजाति का सदस्य है। जेलीफिश की यह प्रजाति हांगकांग के माई पो रिजर्व के एक छोटे से तालाब में मिली है। इसका आकार बेहद अनोखा है। मछली का शरीर एक इंच से भी कम लंबा और पारदर्शी है। शोधकताओं के मुताबकि, इसकी तीन टांग हैं, जो फैलाने पर 10 सेमी तक बढ़ सकती हैं। सबसे खास और अहम बात ये है कि इसकी 24 आंख हैं, जो चार-चार के छह ग्रुप में बंटी हैं।

शोधकताओं के मुताबकि, इसके लंबे और पतले पैरों में जहर होता है। ये जहर इतना खतरनाक होता है कि कुछ ही मिनटों में इंसान को कार्डियक अरेस्ट या लकवा पड़ सकता है। यहां तक की मौत का कारण भी बन सकता है। इस जेलीफिश की करीबी प्रजाति ऑस्ट्रेलियाई बॉक्स जेलीफिश है, जो दुनिया के सबसे विषैले समुद्री जानवरों में से एक हैं। इसकी आंखें संवेदी अंग में छिपी होती है, जिन्हें रोपालियम कहा जाता है।

जेलिफि श का पता लगाने के लिए हाल ही में अंतरराष्ट्रीय अकादमिक जर्नल जूलॉजिकल स्टडीज में नई प्रजातियों का वर्णन करने वाले एक पेपर में प्रकाशित

# मीठे रसीले आम की बहार आ गई है बाजार में

**नई दिल्ली , एजेंसी।** इस समय दिल्ली और एनसीआर के बाजारों में आम की बहार दिखने लगी है। दक्षिण और पश्चिम भारत से आने वाले ये आम लोगों को लुभा रहे हैं। यदि आप बाजार जाने की जहमत नहीं उठाना चाहते हैं तो आप घर बैठे भी आम खरीद सकते हैं। इसके लिए आपको ऐमजॉन फ्रेश, बिग बॉस्केट जैसे ई-कामर्स प्लेटफार्म पर जाना होगा। ऐमजॉन फ्रेश पर तो इस समय मैंगो फिएस्टा भी चल रहा है। फिएस्टा के दौरान ग्राहक बैंक ऑफर्स पर 10 प्रतिशत तक की छूट भी पा सकते हैं।

इस समय दिल्ली समेत उत्तर भारत के तमाम बाजारों में सफेदा आम की खूब बहार है। इसे बैंगनपल्ली के नाम से भी जानते हैं। यह आम मुख्य तौर पर विजयवाड़ा से दिल्ली आता है। फिर दिल्ली से इसका डिस्ट्रीब्यूशन उत्तर भारतीय शहरों में होता है। आप यदि दशहरी या लंगड़ा आम के प्रेमी हैं तो यह आम आपको नहीं भाएगा। क्योंकि इसका स्वाद कम मीठा होता है। लेकिन मैंगो शेक बनाने के लिए यह आम बेहतरीन होता है। बाजार में आपको यह आम 50 से 80 रुपये किलो मिल जाएगा। ऐमजॉन पर यह आम 89 रुपये किलो मिल रहा है।

भारत से यदि कोई आम सबसे ज्यादा निर्यात किया जाता है तो वह है अल्फांसो। यह महाराष्ट्र के र प्रतिशतागिरी इलाके में होता है। रिच और क्रीमी अल्फांसो आम अत्यधिक सुगंधित होते हैं। मिठास, रिचनेस और टेस्ट के मामले में अल्फांसो फलों की सबसे बेहतर किस्मों में से एक माने जाते हैं। इसे खरीदने के लिए आपको महाराष्ट्र या मुंबई नहीं जाना होगा। इसे ऐमजॉन पर भी खरीद सकते हैं। इस समय ऐमजॉन पर दो अल्फांसो आम 163 रुपये का मिल रहा है।

**तोतापुरी आम :** इस समय तोतापुरी आम भी बाजार में आ गए है। दक्षिण भारत में होने वाला यह आम बड़े और सुनहरे पीले रंग के होते हैं। ये आकार में लगभग आयताकार होते हैं और इनका सिरा चोंच जैसा नुकीला होता है। आप यदि आम खाते समय रेशे से परेशान होते हैं तो तोतापुरी आम आपके लिए बेहतर है। क्योंकि इसमें रेशा बिल्कुल नहीं होता है। ऐमजॉन पर इस समय एक किलो तोतापुरी आम 83 रुपये का मिल रहा है।

**शुगर बेबी मैंगो :** आपको खूब मीठा आम पसंद है तो आप शुगर बेबी आम को आजमा सकते हैं। यह आम गोल होता है और जीवंत पीले हरे रंग में उपलब्ध है। यह आम अपने खास मीठे स्वाद के लिए लोकप्रिय है। इस आम को कर्नाटक में उगाया जाता है। जैम बनाने के लिए शुगर बेबी आम को बढ़िया माना जाता है।

**रुमानी आम :** रुमानी आम का स्वाद बहुत अच्छा होता है। यह काफी रसदार होता है। रुमानी को आइसक्रीम मैंगो या एप्पल मैंगो के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि यह आम मीठी कुल्फी बनाने के लिए काफी अच्छा होता है। यह आम भी दक्षिण भारत से ही आता है।

# सोने की चमक बढ़ी, चांदी की कीमतों में नरमी

**नई दिल्ली , एजेंसी।** बुलियन मार्केट में डॉलर की नरमी के चलते तेजी देखने को मिल रही है। यही वजह है कि घरेलू बाजार में सोने की कीमतें बढ़ गई हैं। एमसीएक्स पर सोना करीब 90 रुपए महंगा होकर 60090 रुपए प्रति 10 ग्राम के भाव पर ट्रेड कर रहा है जबकि चांदी की कीमतों में नरमी जारी है। एमसीएक्स सिल्वर 90 रुपए गिरकर 74900 रुपए प्रति किलोग्राम के भाव पर ट्रेड कर रही है। घरेलू मार्केट में सोने और चांदी की कीमतों में मची हलचल की वजह इंटरनेशनल बुलियन मार्केट रही।

**इंटरनेशनल मार्केट में सोने का भाव :** इंटरनेशनल मार्केट में सोने का भाव 2000 डॉलर के पार पहुंच गया है। डॉलर इंडेक्स में नरमी से सोने की कीमतों के सपोर्ट मिल रहा है। यही वजह रही कि कल कॉमैक्स पर सोना 10 डॉलर चढ़कर 2000 डॉलर प्रति ऑन्स के पार पहुंच गई। वहीं, चांदी की कीमतें हल्की गिरावट के साथ 25.26 डॉलर प्रति ऑन्स के भाव पर ट्रेड कर रही है।

# कारोबारी माहौल में सिंगापुर को टक्कर दे रहा भारत, एक साल में हुए बड़े सुधार

**नई दिल्ली , एजेंसी।** भारत ने कारोबारी माहौल को बेहतर बनाने के लिए पिछले एक साल में बड़े सुधार किए हैं। इस मामले में अब वह सिंगापुर को टक्कर दे रहा है। प्रमुख बड़े सुधारों की वजह से विदेशी कंपनियों (विनिर्माता) के लिए भारत आकर्षक गंतव्य के रूप में सामने आ रहा है। द इकनॉमिस्ट इंटेलिजेंस यूनिट (ईआईयू) की ओर से हाल ही में जारी वैश्विक कारोबारी माहौल रैंकिंग (बीईआर) में भारत 6 पायदान ऊपर आ गया है। वहीं, 17 एशियाई अर्थव्यवस्थाओं में 14वें से 10वें स्थान पर पहुंच गया है। इस रैंकिंग में सिंगापुर शीर्ष पर काबिज है। यह रैंकिंग उन देशों को दी जाती है, जहां अगले पांच साल में कारोबारी माहौल पूरी दुनिया में सबसे अच्छा होगा।

वैश्विक कारोबारी माहौल रैंकिंग में 91 संकेतकों के आधार पर 82 देशों में कारोबारी माहौल को लेकर आकर्षण का मापन किया जाता है। 2023 की दूसरी तिमाही के लिए जारी इस रैंकिंग से पता चलता है कि नीतिगत सुधारों की वजह से भारत में कारोबार करना पहले के मुकाबले आसान हो गया है। इसके साथ ही, बुनियादी ढांचा, कराधान और कारोबार को लेकर नियमन में सुधार से निवेश को बढ़ावा मिलेगा।

इकोनॉमिस्ट ग्रुप के अनुसंधान विभाग ने कहा कि कारोबारी माहौल के मोर्चे पर भारत के बेहतर प्रदर्शन के पीछे विदेशी व्यापार, विनिमय नियंत्रण, बुनियादी ढांचे पर जोर और तकनीकी को अपनाने में तत्परता अहम कारक हैं। इसके अलावा, मजबूत एवं स्थिर अर्थव्यवस्था, व्यापक प्रोत्साहन कार्यक्रम, श्रमिकों की बेहतर आपूर्ति से भी भारत में कारोबार करना आसान हुआ है।

ईआईयू ने रिपोर्ट में कहा है कि भारत विनिर्माण में निवेश को लेकर ऐतिहासिक रूप से संघर्ष कर रहा है। दक्षिण पूर्व एशिया के अन्य उभरते बाजारों से उसे कड़ी प्रतिस्पर्धा मिल रही है। इसके अलावा, अत्यधिक लालफीताशाही और संरक्षणवादी रवैया निवेशकों के लिए चुनौती बना रहेगा।

हालांकि, भारत के पास अपने विनिर्माण क्षेत्र के विस्तार का सुनहरा अवसर है। इससे न सिर्फ आर्थिक विकास व निर्यात को गति मिलेगी बल्कि जीडीपी में हिस्सेदारी भी बढ़ेगी, जो अभी 20 प्रतिशत से कम है। ईआईयू ने रिपोर्ट में कहा है कि एपल समेत कई बड़ी विदेशी कंपनियां आपूर्ति को लेकर चीन पर अधिक निर्भरता और उसकी चाइन प्लस वन नीति से सावधान हो गई हैं। यह भारत के लिए एक बड़ा अवसर है। चीन की नीतियों की वजह से एपल चीनी कारखानों पर अपनी निर्भरता घटाने के लिए भारत में उत्पादन बढ़ाने की योजना पर काम कर रही है।

ब्लूमबर्ग ने हाल ही में अपनी रिपोर्ट में कहा था कि एपल की विनिर्माता कंपनी फॉक्सकॉन भारत में विनिर्माण बढ़ाना चाह रही है। वह बंगलूरू के पास फैक्टरी लगाने के लिए 70 करोड़ डॉलर की निवेश की योजना बना रही है। इससे एक लाख नौकरियों भी पैदा होंगी। भारतीय अधिकारियों का कहना है, एपल अपने कुल उत्पादन का 25 फीसदी भारत में करना चाहती है। अभी यह करीब 5-7 फीसदी है। सैमसंग भी करेगी निवेश = सैमसंग ने मार्च में कहा था कि वह उत्पादन को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए नोएडा के मोबाइल फोन प्लांट में स्मार्ट विनिर्माण क्षमताएं स्थापित करने में निवेश करेगी। कोरियाई इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी का अनुमान है कि 2026 में भारत में एक अरब स्मार्टफोन यूजर्स होंगे।

# न्यू बिलिंग पॉलिसी पर दिल्ली हाई कोर्ट पहुंचा गूगल, सिंगल बेंच के निर्देश को दी चुनौती

**नई दिल्ली , एजेंसी।** सर्च इंजन गूगल ने न्यू बिलिंग पॉलिसी पर दिल्ली हाईकोर्ट के सिंगल बेंच के निर्देश को चुनौती दी है। इसके साथ ही गूगल ने तत्काल सूचीबद्ध कर सुनवाई की मांग की थी लेकिन हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ ने इससे इनकार कर दिया है।

**क्या है मामला :** दरअसल, दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति तुषार राव गडेला की सिंगल बेंच ने सोमवार को भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग से गूगल की न्यू बिलिंग पॉलिसी के खिलाफ दायर अलायंस ऑफ डिजिटल इंडिया फाउंडेशन की अर्जी पर 26 अप्रैल तक विचार करने को कहा है। देश में स्टार्टअप कंपनियों के प्रतिनिधि संगठन एडीआइएफ ने कमीशन के आधार पर ऐप में खरीद की छूट और डाउनलोड की सुविधा देने की गूगल की नीति को चुनौती दी है। इस याचिका की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा, प्रतिस्पर्धा अधिनियम की धारा 42 के तहत सीसीआइ को आवेदनों पर विचार करने के लिए निर्देश देने में कानूनी या अन्यथा कोई भी बाधा नहीं है। याचिका के मुताबिक सीसीआइ ने कोरम के अभाव का हवाला देते हुए गूगल की तीसरा पक्ष ऐप डाउनलोड नीति के खिलाफ दायर आवेदन पर विचार करने से मना कर दिया था। एडीआइएफ की मांग क्या है- बता दें कि एडीआइएफ चाहता है कि गूगल अपने प्रस्तावित यूजर चॉइस बिलिंग (यूसीबी) को तब तक के लिए स्थगित रखे जब तक कि सीसीआइ पिछले साल अक्टूबर के गूगल प्ले स्टोर नीति मामले में जांच पूरी नहीं कर लेता। एडीआइएफ के मुताबिक गूगल को पहले ऐप डेवलपर्स को भुगतान किए गए ऐप डाउनलोड और इन-ऐप खरीदारी सहित सभी लेनदेन के लिए गूगल प्ले बिलिंग सिस्टम नामक भुगतान विधि का उपयोग करने की आवश्यकता थी। अक्टूबर 2022 में, एडीआइएफ के एक आवेदन पर सीसीआइ ने जीपीबीएस के लिए गूगल पर जुर्माना लगाया और उसे इन-ऐप भुगतान के लिए थर्ड पार्टी बिलिंग सर्विसेज के उपयोग की अनुमति देने का निर्देश दिया।

# अडानी का एक फैसला और शेयर खरीदने दौड़े निवेशक, रॉकेट की तरह बढ़ रहा भाव

**नई दिल्ली , एजेंसी।** अडानी समूह की कंपनियों के शेयर तीन शेयरों के साथ फोकस में हैं। अडानी ट्रांसमिशन (1,013.55 रुपये), अडानी टोटल गैस (935.35 रुपये) और अडानी ग्रीन एनर्जी (930.75 रुपये) बीएसई पर मंगलवार को अपर सर्किट में हैं। समूह की प्रमुख कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज, अडानी पावर, अडानी विल्मर, नई दिल्ली टेलीविजन , एसीसी, अंबुजा सीमेंट्स और अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन के शेयर आज 4 प्रतिशत तक चढ़ गए। दरअसल, सोमवार को अडानी ग्रुप ने कहा कि कर्ज पुनर्खरीद कार्यक्रम शुरू किया। इस साल जनवरी में अमेरिकी शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट आने के बाद अडाणी समूह ने पहली बार ऋण पुनर्खरीद शुरू की है। शेयर बाजार को दी जानकारी के मुताबिक एपीएसईजेड ने अपने जुलाई 2024 के बॉन्ड की 13 करोड़ डॉलर तक पुनर्खरीद करने के लिए निविदा आमंत्रित की है। कंपनी अगली चार तिमाहियों में समान राशि की पुनर्खरीद और करेगी। समूह अपनी नकदी की स्थिति को बेहतर साबित कर निवेशकों का भरोसा दोबारा हासिल करने के लिए यह कदम उठा रहा है। आपको बता दें कि हिंडनबर्ग रिसर्च की 24 जनवरी को आई एक रिपोर्ट में समूह के खातों में धोखाधड़ी और शेयर कीमतों में हेराफेरी के आरोप लगाए गए थे।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई :गुरुवार 27 अप्रैल 2023

# तमन्ना भाटिया का नाम लेकर विजय वर्मा के अफेयर पर गुलशन देवैया ने ली चुटकी, कही मजेदार बात

**विजय** वर्मा के साथ दहाड़ में नजर आने वाले गुलशन देवैया ने अब विजय वर्मा पर चुटकी ली है। उन्होंने तमन्ना का नाम लेकर उन्हें टीज किया है। गौरतलब है कि विजय वर्मा और तमन्ना भाटिया एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। दोनों को कई अवसर पर साथ देखा जाता है लेकिन दोनों ने कभी भी अपने रिश्ते की पुष्टि नहीं की है। अब गुलशन देवैया ने विजय वर्मा की पोस्ट पर एक मजेदार कमेंट किया है। इसके साथ उन्होंने तमन्ना का नाम भी लिया है। विजय वर्मा ने अपनी आगामी वेब सीरीज दहाड़ का टीजर वीडियो जारी किया है। इस पर गुलशन ने मजेदार कमेंट किया है।

विजय वर्मा ने वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए लिखा है, ह्यदहाड़ की झलक देखिए। दहाड़ प्राइम वीडियो पर आएगा। ट्रेलर 3 मई को जारी हो रहा है।ह्ल इस पर कई लोगों ने उनके लुक को लेकर प्रतिक्रिया दी है। इस बीच अभिनेता गुलशन देवैया ने कमेंट सेक्शन में लिखा है, ह्यमेरी तमन्ना तो तू था। अच्छा धोखा दिया है तूने मुझे। थैंक गॉड मेरी इज्जत नहीं लूटी। नहीं तो, हे राम।ह्ल

विजय वर्मा ने अभी तक गुलशन के कमेंट पर प्रतिक्रिया नहीं दी है। वहीं, कई लोगों ने इस पर दिल की इमोजी कमेंट की है। जोया अख्तर ने भी पोस्ट पर कमेंट किया है। दहाड़ में सोनाक्षी सिन्हा एक पुलिस की भूमिका में है जो 1 मर्डर केस सॉल्व कर रही है। शो में विजय वर्मा के अलावा गुलशन देवैया और सोहन शाह की भी अहम भूमिका है। यह 27 महिलाओं के कत्ल करने वाले आरोपी पर आधारित है।

# 'सिटाडेल' प्रीमियर में निक के लिए उमड़ा प्रियंका का प्यार, तारीफ में देसी गर्ल ने पढ़े कसीदे

**ग्लोबल** सेंसेशन बन चुकी अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी हॉलीवुड बेव सीरीज ह्यसिटाडेलह्ल को लेकर चर्चा में हैं। इस सीरिज में एक्ट्रेस हॉलीवुड एक्टर रिचर्ड मैडेन के अपोजिट नजर आने वाली हैं। प्रियंका के फैंस उनकी इस सीरिज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। ह्यसिटाडेलह्ल ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज की जाएगी। इस बीच प्रियंका और रिचर्ड ह्यसिटाडेलह्ल के ग्लोबल प्रेस टूर में व्यस्त हैं। मुंबई, लंदन और रोम के बाद, प्रियंका और रिचर्ड ने लॉस एंजिल्स में ह्यसिटाडेलह्ल के प्रीमियर ने सबका ध्यान खींचा। इवेंट में प्रियंका पिंक कलर के गाउन में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। निक जोनास पीसी के सबसे बड़े प्रशंसक रहे हैं और वह प्रेस टूर के दौरान हर वक्त उनका समर्थन करते दिखाई दिए थे। इस बीच प्रियंका ने सिटाडेल प्रेस टूर के दौरान उनके समर्थन पर प्रतिक्रिया दी है।

ह्यसिटाडेलह्ल के लॉस एंजिल्स प्रीमियर में एक मीडिया संस्थान से बातचीत के दौरान एक्ट्रेस ने निक जोनस ने बारे में बात की है। उन्होंने कहा कि निक हमेशा हंसते रहते हैं और वह उनके जैसा सहयोगी पाकर बहुत खुश हैं। उन्होंने आगे कहा कि मुझे लगता है कि एक ऐसा साथी होना वास्तव में आश्चर्यजनक है, जो इतना सहायक है। मैं उनकी सबसे बड़ी प्रशंसक हूं। प्रियंका ने आगे बताया कि प्रीमियर के बाद वो निक जोनस के शो के लिए जा रही हैं। ह्यस्क्रीनिंग खत्म करने के बाद मैं उनके शो में जा रही हूं। यही वह है जो हम करते हैं। हम एक दूसरे के लिए दिखाई देते हैं। यह परिवार है।

# दीपिका पादुकोण लेटेस्ट लुक को लेकर ट्रोलर्स के निशाने पर, पूछा- कौन सी स्कूल की यूनिफार्म है?'

**एक्ट्रेस** दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह अपने स्टाइल स्टेटमेंट के लिए जाने जाते हैं। हालांकि, कई बार उनका स्टाइल स्टेटमेंट ट्रोलर्स के निशाने पर भी रहता है। अब मंगलवार को दीपिका पादुकोण को मुंबई एयरपोर्ट पर देखा गया। वह दुबई में होने वाले फिल्मफेयर अवार्ड में भाग लेने पहुंची थी। इस अवसर पर दीपिका पादुकोण ने पीले रंग की टी शर्ट और ब्लू पैंट पहन रखी थी। वहीं, उन्होंने सफेद जूते पहन रखे थे, जहां कुछ फैंस उनके इस लुक से काफी खुश हुए।

वहीं, कई लोगों ने दीपिका पादुकोण को ट्रोल भी किया है। विरल भयानी ने वीडियो शेयर किया है। इसमें दीपिका पादुकोण को मुस्कुराते हुए एयरपोर्ट पर जाते हुए देखा जा सकता है। एक ट्रोल ने वीडियो पर लिखा है, ह्यकौन सी स्कूल की यूनिफार्म है? एक ने लिखा है, ह्ययह तो मेरा स्कूल यूनिफॉर्म था।ह्ल एक ने लिखा है, ह्यसबसे घटिया, बेटे का स्कूल यूनिफॉर्म एकदम सेम है।ह्ल वहीं, कई लोगों ने उनके लुक की सराहना भी की है। दीपिका बॉलीवुड की फेमस एक्ट्रेस है।

दीपिका पादुकोण हाल ही में भूटान में थी। वह वेकेशन मना रही थी। उनकी उम्र 37 वर्ष है। वह जल्द ऋतिक रोशन के साथ फिल्म फाइटर में नजर आएंगी। उन्होंने सिद्धार्थ आनंद की फिल्म के लिए शूटिंग शुरू कर दी है। अमिताभ बच्चन और प्रभास के साथ प्रोजेक्ट के में भी नजर आने वाली है। दीपिका पादुकोण फिल्म एक्ट्रेस है। उन्होंने कई फिल्मों में काम किया है। उनकी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर काफी पसंद की जाती है। वह कई

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 -4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव ( पूर्व ),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com .